BOI



Reach the Star With Us

वार्षिक रिपोर्ट – 2012-13

ANNUAL REPORT – 2012-13

Bank of India

Relationship beyond banking

निदेशकगण
Directors



बाएं से दाएं - श्री हरविंदर सिंह, श्री ए.एम. पेरेरा, श्री उमेश कुमार, श्री एम.एस.राघवन (ईडी), श्री पी.एम.सिराजुददीन, श्रीमती वी.आर.अय्यर (सीएमडी), श्री नीरज भाटिया, श्री बी.पी.शर्मा (ईडी), श्री प्रमोद भसीन, श्री पी.आर.रवि मोहन, श्री उमेश खेतान, श्री के.के. नायर.

From Left to Right, Harvinder Singh, Shri A M Pereira, Shri Umesh Kumar, Shri M S Raghavan (ED), Shri P M Sirajuddin, Smt. V.R. Iyer (CMD),Shri Neeraj Bhatia, Shri B P Sharma (ED), Shri Pramod Bhasin, Shri P R Ravi Mohan, Shri Umesh Kumar Khaitan, Shri K K Nair.



श्रीमती वी.आर. अय्यर
अध्यक्षा एवं प्रबंध निदेशिका,
बैंक ऑफ़ इंडिया,

ईटी दूसरा सबसे विश्वसनीय
बैंक एवार्ड 2012 के साथ

Mrs. V. R. Iyer,
Chairperson & Managing Director,
Bank of India

with ET 2nd Most Trusted
Bank Brand Award 2012

विषय सूची	पृष्ठ संख्या	CONTENTS	PAGE NO.
अध्यक्षा एवं प्रबंध निदेशिका का संदेश	2	Chairperson & Managing Director's Statement	29
निदेशक रिपोर्ट	4	Directors' Report	31
कारोबार उत्तरदायित्व रिपोर्ट	56	Business Reponsibility Report	56
कंपनी अभिशासन रिपोर्ट	63	Corporate Governance Report	63
तुलन-पत्र	80	Balance Sheet	80
लाभ एवं हानि खाता	81	Profit & Loss Account	81
लेखे पर टिप्पणियां	90	Notes on Account	90
स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	121	Report of the Independent Auditors	121
बैंक का समेकित वित्तीय विवरणपत्र	123	Consolidated Financial Statement of the Bank	123
बासल II (स्तम्भ 3) प्रकटीकरण (समेकित)	156	Basel II (Pillar 3) Disclosures (Consolidated)	156
वार्षिक आम बैठक की सूचना	185	Notice of the Annual General Meeting	185
परोक्षी फार्म	187	Proxy Form	188
उपस्थिति पत्र	189	Attendance Slip	189
दृष्टिकोण, ध्येय स्टेटमेंट एवं गुणवत्ता संबंधी नीति	190	Vision, Mission Statement and Quality Policy	190

निदेशकगण
Directors

श्रीमती वी.आर. अय्यर
Mrs. V.R. Iyer
अध्यक्षा एवं प्रबंध निदेशिका
Chairperson and Managing Director

एन. शेषाद्रि
N. Seshadri
कार्यपालक निदेशक
Executive Director

एम. एस. राघवन
M. S. Raghavan
कार्यपालक निदेशक
Executive Director

बी. पी. शर्मा
B.P. Sharma
कार्यपालक निदेशक
Executive Director

उमेश कुमार
Umesh Kumar

पी. आर. रवि मोहन
P.R. Ravi Mohan

के. के. नायर
K. K. Nair

नीरज भाटिया
Neeraj Bhatia

हरविंदर सिंह
Harvinder Singh

पी. एम. सिराजुद्दीन
P. M. Sirajuddin

उमेश कुमार खेतान
Umesh Kumar Khaitan

प्रमोद भसीन
Pramod Bhasin

ए. एम. परेरा
A. M. Pereira

सांविधिक लेखा परीक्षक
Statutory Auditors

चतुर्वेदी एवं शाह
Chaturvedi & Shah

कर्णावट एंड कंपनी
Karnavat & Co.

शंकरन एवं कृष्णन
Sankaran & Krishnan

एल. बी. झा एवं कंपनी
L B Jha & Co

एसआरबी एंड एसोशिएट्स
SRB & Associates

ईसाक एंड सुरेश
Isaac & Suresh

बैंक ऑफ़ इंडिया
Bank of India

(भारत सरकार का उपक्रम)
(A Government of India Undertaking)

प्रधान कार्यालय

स्टार हाउस, सी-5, "जी" ब्लॉक,
बांद्रा-कुर्ला संकुल, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400 051.
फोन नं.: 66684444
वेबसाइटः www.bankofindia.co.in

HEAD OFFICE

Star House, C-5, `G' Block,
Bandra-Kurla Complex, Bandra (E),
Mumbai - 400 051. Phone: 66684444
E-mail: headoffice.share@bankofindia.co.in
Website: www.bankofindia.co.in

महत्वपूर्ण सूचनाएँ		Important Information	
प्रस्तावित लाभांश	₹ 10/- प्रति शेयर (100%)	Proposed Dividend	₹ 10/- per share (100%)
लेखा बंदी	22.06.2013 से 29.06.2013	Book Closure	22.06.2013 to 29.06.2013
वार्षिक आम बैठक की तिथि एवं समय	शनिवार 29 जून, 2013 को सुबह 11.00 बजे	Date & Time of AGM	Saturday June 29, 2013 at 11.00 a.m.
वार्षिक आम बैठक का स्थान	बैंक ऑफ इंडिया आडिटोरियम स्टार हाउस, सी-5, "जी" ब्लॉक, बांद्रा-कुर्ला संकुल, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400 051	AGM Venue	Bank of India Auditorium Star House, C-5, 'G' Block, Bandra - Kurla Complex, Bandra (East), Mumbai - 400 051.

This page is intentionally left blank

महाप्रबंधक
GENERAL MANAGERS

1.	श्री विवेकानंद दास (सीवीओ)	Shri Vivekananda Das (CVO)
2.	श्री ए.पी. घुगल	Shri A.P. Ghugal
3.	श्री एन.सी. खुल्बै	Shri N.C. Khulbe
4.	श्री एस.के. दत्ता	Shri S.K. Datta
5.	श्री मुनीर आलम	Shri Munir Alam
6.	श्री आर.एन. तायल	Shri R.N. Tayal
7.	श्री आर. रविचंद्रन	Shri R. Ravichandran
8.	श्री एस.सी. अरोड़ा	Shri S.C. Arora
9.	श्री पी.एस. रावत	Shri P.S. Rawat
10.	श्री राकेश सेठी	Shri Rakesh Sethi
11.	श्री गौरी शंकर	Shri Gauri Shankar
12.	श्री बी.बी. जोशी	Shri B.B. Joshi
13.	श्री प्रेम कुमार	Shri Prem Kumar
14.	श्री पी.के. बजाज	Shri P.K. Bajaj
15.	श्री आर.ए. शंकर नारायणन	Shri R.A. Sankara Narayanan
16.	श्री आर. के. वर्मा	Shri R.K. Verma
17.	श्री पुष्पिंदर सिंह	Shri Pushpinder Singh
18.	श्री राजीव सक्सेना	Shri Rajiv Saxena
19.	श्री देबाशीष चक्रवर्ती	Shri Debashish Chakraborty
20.	श्री एस नरसिम्हन	Shri S. Narasimhan
21.	श्री चरन सिंह	Shri Charan Singh
22.	श्री पी.के. पटनाईक	Shri P.K. Patnaik
23.	श्री अनिल कुमार वर्मा	Shri Anil Kumar Verma
24.	श्री अनिल राणे	Shri A.B. Rane
25.	श्री बी.एल. सालियन	Shri B.L. Salian
26.	श्री आर.एन. कर	Shri R.N. Kar
27.	श्री अरिहन्त कुमार जैन	Shri Arihant Kumar Jain
28.	श्री रमेश चन्द्र बलिआर सिंह	Shri Ramesh Chandra Baliar Singh
29.	श्री जी.बी. काकड़े	Shri G.B. Kakade
30.	श्री विकास पांडे	Shri Vikas Pande
31.	श्री रबिन्द्र मोहन प्रसाद	Shri Rabindra Mohan Prasad
32.	श्री एम.बी. डोडिया	Shri M.B. Dhodia
33.	श्री अनिल कुमार भल्ला	Shri Anil Kumar Bhalla
34.	श्री एम.डी. वर्नेकर	Shri M.D. Vernekar

चुनौतीपूर्ण दौर में बुलंदियों की ओर अग्रसर



श्रीमती वी.आर. अय्यर
अध्यक्षा एवं प्रबंध निदेशिका

प्रिय शेयरधारको,

बैंकिंग व्यवस्था परिवर्तन के दौर से गुज़र रही है। आर्थिक परिदृश्य चुनौतीपूर्ण है और उसके साथ-साथ विनियामक और विवेक सम्मत दायित्वों को भी और अधिक कठोर बनाया जा रहा है जिसकी वज़ह से हमारे समक्ष एक ऐसा चुनौती पूर्ण वातावरण है जिसमें यह अपेक्षा है कि बहुत ही सन्तुलित रुप से कार्रवाई की जाए। वित्तीय वर्ष 2012-13 के वित्तीय परिणामों को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जाना है। इन सबके बीच, मेरे लिए यह प्रसन्नता की बात है कि मुझे आपके इस महान संस्थान की 31 मार्च, 2013 को समाप्त वर्ष की वार्षिक रिपोर्ट आपके समक्ष प्रस्तुत करने का अवसर प्राप्त हो रहा है और मुझे यह उल्लेख करते हुए गर्व की अनुभूति हो रही है कि आपके बैंक ने अनेक प्रकार की चुनौतियों के होते हुए भी बेहतरीन संवृद्धि दर्ज की है।

चालू वित्तीय वर्ष के अधिकांश समय में वैश्विक अर्थव्यवस्था में मंदी दृष्टिगोचर हुई, परन्तु हाल ही में बड़े बाजारों में थोड़ा सुधार परिलक्षित हुआ। यू.एस. और जापान की अर्थव्यवस्था में को एक नयी लहर उठी जिसके फलस्वरुप वित्तीय संस्थानों ने नए उभर कर आए बाजारों से निधियां बाहर खींच लीं। जिसके फलस्वरुप बीआरआईसीएस (ब्राजील, रुस, इंडिया, चीन और साउथ अफ्रीका) के बाज़ारों की चमक कम होती चली गयी और एमआईएसटी (मैक्सिको, इन्डोनेशिया, साउथ कोरिया और टर्की) के बाजारों की रौनक लौट आयी। यू.एस. अर्थव्यवस्था के सकारात्मक विकास में, गैर कृषि पेरोल्स में सुधार हुआ और बेरोजगारी की दर घटकर 7.7% तक आ गयी जिससे यह संकेत मिलने लगे कि यू.एस. की अर्थव्यवस्था फिर से प्रगति के पथ पर लौट रही है। अलबत्ता, $85 बिलियन के व्ययों की कटौती पर चर्चाएं अभी जारी हैं और नवीनतम उपलब्ध आँकड़ों के अनुसार यू.एस. व्यापार घाटा बढ़कर $444.88 बिलियन तक पहुंच गया है।

अलबत्ता, यूरोपीयन यूनियन से प्रस्तुत किए आँकड़े 46.5 विनिर्माण खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) के साथ निराशाजनक थे। क्योंकि वे 50 की सीमारेखा स्थिति से काफी नीचे थे। यूरोपियन सेन्ट्रल बेंक ने अपनी 2 मई, 2013 को हुई बैठक में प्रमुख बेंचमार्क दर को 25 बेसिस पॉइंट कम करके 0.75% से 0.50% कर दिया है।

अकस्मात आए संकट में, साइप्रस ने अपने गोल्ड रिज़र्व की बिक्री करना शुरु कर दिया है और यह शंका है कि यू.के. सहित अन्य पीआईआईजीएस राष्ट्र भी ऐसा कर सकते हैं। नतीज़न सोने की कीमतों में काफी गिरावट आ गयी और सोने की कीमत $1350/ओजेड तक कम हो गयी। यद्यपि बाद में इसकी कीमतों में थोड़ा सा उछाल देखने को मिला, किंतु इस बात से यह अवधारणा क्षीण हो गयी है कि सोना निवेश के लिए सबसे सुरक्षित तरीका है। मुद्रास्फीति की स्थिति के विरुद्ध बचाव का साधन है।

चीन ने अपनी इस भविष्य वाणी को कायम रखा कि उसकी अगले वित्तीय वर्ष में 7.6% ग्रोथ रेट रहेगी। सबसे बड़ी व्यवस्था के रुप में द्वितीय स्थान रखने वाले चीन में विनिर्माण संबंधी गतिविधि पिछले 19 महीनों से अधिक अवधि में तेजी से पनपी है जिससे यह प्रत्याशा बलवती होती है कि उसका आगे और भी तेजी से विकास होगा। अलबत्ता यह बात दीगर है कि विकास की यह दर उसके पिछले वर्ष की उस दर से अभी भी कम है जब चीन की अर्थव्यवस्था 8% से अधिक की दर से बढ़ी थी। यह भी अपेक्षा की जा रही है कि चीन की अर्थव्यवसथा को झटका लग सकता है क्योंकि वहां की सरकार ने इन्फ्रास्टैक्चर व्यय में वृद्धि कर दी है और निवेश परियोजना मूल्यांकनों की रफ्तार को तीव्र कर दिया है।

स्वदेश में विकास दर कम ही रही। केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (सीएसओ) ने यह प्राक्कलित किया है कि वर्ष 2012-13 के दौरान जीडीपी ग्रोथ 5% है। अलबत्ता, 2013-14 के ग्रोथ संबंधी इस्टीमेट्स पर विभिन्न विचारको के बीच काफी भिन्नता है। आईएमएफ और प्राइवेट अर्थशास्त्री यह कहते हैं कि वर्ष 2013-14 में ग्रोथ रेट 5.7-5.8% होगी जबकि पीएमईएसी (प्रधानमंत्री की आर्थिक परामर्श परिषद) का यह मानना है कि इस वर्ष के दौरान भारत 6.4% की दर से विकास करेगा। उनकी यह अवधारणा कृषि, उद्योग और सेवा खंड़ों में प्राक्कलित की गयी उन्नत विकास की संभावनाओं पर आधारित है।

2008-09 में वैश्विक आर्थिक संकट द्वारा आयी मंदी के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था ने राजकोषीय और मौद्रिक तरक्की के लिए काफी मजबूती से प्रतिसाद किया और वित्तीय वर्ष 2009-10 और 2010-11 में क्रमशः 8.6 प्रतिशत और 9.3% की ग्रोथ रेट हासिल की। किंतु उसी दौरान मार्च 2010 में भारतीय रिज़र्व बैंक ने पॉलिसी रेट्स को बढ़ाना शुरु कर दिया था।

उच्चतर दरों व नीति संबंधी अडचनों ने निवेश पर प्रतिकूल असर डाला और 2011-12 और 2012-13 में ग्रोथ रेट क्रमशः 6.2 प्रतिशत और 5.0 प्रतिशत रही। हाँलाकि, सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) हेतु कम्पाउन्ड वार्षिक विकास दर (सीएजीआर) 2012-13 को समाप्त दशक में 7.9 प्रतिशत है।

विकास की यह धीमी गति उद्योग में आयी कमजोरी के कारण है जिसने केवल 3.5 प्रतिशत की ग्रोथ रेट ही दर्ज की। विनिर्माण क्षेत्र भी 1.9 प्रतिशत पर रहा। सामान्य से कम बरसात के कारण वर्ष 2012-13 में कृषि के क्षेत्र की ग्रोथ रेट भी नीचे आयी। वर्ष 2011-12 में वह 8.2% थी जो वर्ष 2012-13 में 6.6 प्रतिशत तक घट गयी।

वैश्विक आर्थिक संकट से अच्छी तरह से उभरने के बावजूद घरेलू अर्थव्यवस्था कई तत्वों के कारण ही धीमी ही है। इसका पहला कारण यह है कि आर्थिक संकट के बाद मौद्रिक और राजकोषीय तेज़ी से मांग में और उछाल आया जिससे मुद्रास्फ़ीति बढ़ी। दूसरा यह है कि 2011-12 की शुरुआत से, नीति संबंधी रुकावटों और कड़ी मौद्रिक नीति के परिणामस्वरुप कॉर्पोरेट और इन्वेस्टमैन्ट दोनों ही धीमे पड़ गए। तीसरी अहम बात यह रही कि पहले से ही मंदी चल रही घरेलू अर्थव्यवस्था को दो अतिरिक्त झटके : वैश्विक अर्थव्यवस्था में आयी मंदी और घरेलू कमज़ोर मानसून से भी लगे।

वित्तीय वर्ष 2013-14 के लिए दृष्टिकोण

यह प्रत्याशा है कि वर्ष 2013-14 के दौरान विश्व अर्थव्यवस्था वर्ष थोड़ा बेहतर कार्यनिष्पादन करेगी। वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान घरेलू आर्थिक गतिविधि विगत वर्ष की अपेक्षा केवल साधारण सुधार ही दर्शाने के लिए प्रत्याशित है। वर्ष की दूसरी छमाही में इसके रफ्तार पकड़ने की संभावना है। लेकिन यह तभी सम्भव है जब मानसून नार्मल रहे और कृषि में वृद्धि वापस अपनी प्रवृत्ति के स्तरों पर रहे। औद्योगिक गतिविधि

के लिए दृष्टिकोण भी थोड़ा कम ही रहेगा क्योंकि नए निवेश बीच में लटके पड़े हैं और मौजूदा परियोजनाएं भी रुकावटों और कार्यान्वयन संबंधी अन्तरालों से रुकी पड़ी है। वैश्विक ग्रोथ में भी 2012 के स्तर से बहुत ज्यादा सुधार होने की सम्भावना नहीं है। सेवा और निर्यात में भी ग्रोथ मंद ही रह सकती है। तद्नुसार 2013-14 के लिए बेस लाइन जीडीपी ग्रोथ 5.7 प्रतिशत पर अनुमानित है।

मार्च, 2013 तक, डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति 6.0 प्रतिशत थी, जो रिज़र्व बैंक के 6.8 प्रतिशत के संकेतात्मक प्रक्षेपण से नीचे ही रही। ऐसा वर्ष की द्वितीय छमाही में गैर-खाद्य विनिर्मित उत्पाद मुद्रास्फीति में तीव्र गिरावट की वजह से हुआ। कच्चे तेलों और खाद्य सामग्री की कीमतों में आयी कमी के कारण चालू वित्तीय वर्ष के लिए ग्लोबल मुद्रास्फीति आउटलुक विगत वर्ष की तुलना में अनुकूल प्रतीत होता है। तद्नुसार आयातित मुद्रास्फति न्यूनतर रहने की सम्भावना है बशर्ते कि विनिमय दर मोटे तौर पर स्थिर रहे। कॉर्पोरेट कार्यनिष्पादन, औद्योगिक परिदृश्य और पीएमआईज़् के संकेतक घटती हुई प्राइसिंग पॉवर का संकेत दे रहे हैं। दूसरी तरफ, सतत् आपूर्ति असन्तुलनों के कारण खाद्यसामग्री संबंधी मुद्रास्फीति भी दबाव का स्रोत रहने की सम्भावना है। इसके अलावा यह भी कि प्रशासित मूल्य परिशोधनों का समय और परिणाम विशेष रुप से विद्युत और कोयले में की बढ़ी हुई कीमतें 2013-14 में मुद्रास्फीति की रफ्तार को बढ़ाने का काम करेगी।

घरेलू मांग - आपूर्ति सन्तुलन, वैश्विक पण्य कीमतों के आउटलुक और नॉर्मल मानसून की घोषणा के मे नजर, डब्ल्यूपीआई मुद्रास्फीति विगत नीति संबंधी कार्रवाइयों के कारण प्रथम छमाही में तीव्र गिरावट आने से वर्ष 2013-14 में लगभग 5.5 के परास में ही प्रत्याशित है, इसमें जो वृद्धि होगी वह वर्ष की द्वितीय, छमाही में ही आधारभूत प्रभावों में परिलक्षित होगी।

बैंक का कार्यनिष्पादन

- आपके बैंक का परिचालन लाभ वित्तीय वर्ष 2011-12 में ₹ 6694 करोड़ था जो वित्तीय वर्ष 2012-13 में बढ़कर ₹ 7458.50 करोड़ हो गया, इस प्रकार इसमें 11.42% की ग्रोथ दर्ज की गई।
- वित्तीय 2012-13 में बैंक का निवल लाभ 2.69% बढ़ा। वर्ष 2011-12 में यह ₹ 2677 करोड़ था जो इस वर्ष में बढ़कर ₹ 2749 करोड़ हो गया। वर्ष 2012-13 में गैर-ब्याज आय में 13.39% संवृद्धि दर्ज की गयी, वर्ष 2011-12 में यह ₹ 3321 करोड़ थी जो इस वर्ष ₹ 3766 करोड़ हो गयी।
- वित्तीय वर्ष 2012-13 हेतु बैंक अर्जन प्रति शेयर (ईपीएस) वित्तीय वर्ष 2011-12 में ₹ 48.98 के निमित्त ₹ 47.79 रहा। प्रति शेयर बुक वैल्यू में सुधार हुआ। यथा 31 मार्च 2012 को यह ₹ 326.52 थी जो यथा 31 मार्च, 2013 को ₹ 362.37 करोड़ हो गयी।
- आय अनुपात में लागत में काफी कमी आयी। वित्तीय वर्ष 2011-12 में यह 42.47% थी जो वित्तीय वर्ष 2012-13 में घटकर 41.69% रह गयी।
- आपके बैंक की नेट वर्थ में भी इज़ाफा हुआ है। यथा 31 मार्च 2013 को यह बढ़कर ₹ 21621 करोड़ हो गई है जबकि यथा 31 मार्च, 2012 को यह ₹ 18759 करोड़ थी। पूंजी पर्याप्तता अनुपात (सीआरएआर) बासेल II के अनुसार यथा 31 मार्च, 2013 को 11.02% पर था।
- बैंक का ग्लोबल बिजनेस मिक्स यथा 31 मार्च, 2013 को ₹ 6,74,808 करोड़ के स्तर पर पहुंच गया जबकि यह यथा 31 मार्च, 2012 को ₹ 5,69,710 करोड़ था, इसमें 18.45% की ग्रोथ दर्ज हुई।
- बैंक की कुल जमाराशियां भी यथा 31 मार्च, 2012 को ₹ 3,18,216 करोड़ से बढ़कर यथा 31 मार्च, 2013 को ₹ 3,81,840 करोड़ हो गयीं, इनमें 20% की वृद्धि हुई। बैंक के सकल अग्रिमों में 16.49 की बढ़ोतरी हुई है और ये ₹ 251,494 करोड़ से बढ़कर यथा 31 मार्च, 2013 को ₹ 2,92,968 करोड़ हो गए।
- कासा डिपॉजिट भी बढ़कर यथा 31 मार्च, 2013 को ₹ 93800 करोड़ हो गया और कासा अनुपात 32.79% था।
- बैंक के अन्तरराष्ट्रीय परिचालनों ने भी जमाराशियों में 26% और अग्रिमों में 21% की वर्ष-दर-वर्ष ग्रोथ के साथ बढिया कार्यनिष्पादन दर्ज किया है। वर्ष के दौरान बैंक ने लागत प्रभावशीलता और लाभ प्रदता के अनुरुप करोबार बढ़ाने का अभिन्न निर्णय लिया है।

मैं सहर्ष यह सूचित करती हूँ कि आपके बैंक के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने इस वर्ष के लिए 10/- प्रति शेयर (100%) की दर से लाभांश घोषित किया है।

वित्तीय वर्ष 2012-2013 की पहलें

आपके बैंक ने कारोबारी ग्रोथ को तीव्र करने और ग्राहक सेवा को उत्कृष्ट बनाने के लिए अनेक पहलें की हैं। मुख्य बातें निम्नानुसार हैं :

- वर्ष 2012-13 के दौरान 15 मिलियन ग्राहकों को शामिल किया गया, इस प्रकार बैंक का कुल ग्राहक आधार 68 मिलियन हो गया।
- वर्ष 2012-13 के दौरान 292 शाखाएं खोली गयी जिससे स्वदेशी शाखाओं की कुल संख्या 4292 हो गयी। वर्ष 2012-13 के दौरान 453 नए एटीएम लगाए गए जिसके फलस्वरुप एटीएम की कुल संख्या यथा 31 मार्च, 2013 को 2133 हो गयी।
- आपका बैंक वित्तीय समावेशन की पहलों के कार्यान्वयन में आगे रहने वालों में है। वित्तीय समावेशन के लिए पुरज़ोर प्रयास करते हुए बैंक ने 80 लाख नो फ्रिल खाते खोले। बैंक ने 5,000 कारोबारी संपर्कियों को काम पर लगाया गया है। बैंक ने 11,300 गांवों में 100% वित्तीय समावेशन हासिल कर लिया है और बैंक के पास 150 लाख का यूआईडी नामांकन है।
- बैंक ने 10.09.2012 को तनजानिया में एक और शाखा खोली है। सितम्बर, 2012 में युगांडा में अनुषंगी खोली गयी और जोहन्सबर्ग में प्रतिनिधि कार्यालय को शाखा के रुप में उन्नयन किया गया।
- बैंक की यह योजना है कि बोटस्वाना, कनाडा और बाज़ील में अनुषंगियां खोली जाएं और म्यांमार में प्रतिनिधि कार्यालय खोला जाय।
- बैंक ने निधियों के अंतरण के लिए इमर्जिंग अल्टरनेट डिलिवरी चैनल के रुप में मोबाइल के जरिए बैंकिंग (बीटीएम) की शुरुआत की। इस सुविधा के माध्यम में ग्राहक किसी भी समय और कहीं से भी निधियों को अन्तरित कर सकते हैं।
- बेहतर म्यूचुअल फंड्स प्रॉडेक्ट्स के साथ ग्राहकों की सेवा करने के विचार से आपके बैंक की यह योजना है कि आस्ति प्रबंधन कारोबार में पुनः प्रवेश किया जाय। इस दिशा में कदम बढाते हुए बैंक ने आस्ति प्रबंधन कारोबार के मार्केट लीडर अक्सा इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स के साथ संयुक्त उद्यम को अंतिम रुप दिया है।

मै बोर्ड के उन सभी निदेशकों जैसे कि श्री आलोक कुमार मिश्रा, बैंक के एक्स चेयरमेंन और मैनेजिंग डायरेक्टर द्वारा दिए गए मूल्यवान योगदान को भी कलमबंद करना चाहूंगी जो इस वर्ष के दारौन पद से निवृत्त हो गए हैं। बैंक को बोर्ड, भारतीय रिज़र्व बैंक और भारत सरकार से सहयोग और बहुमूल्य मार्गदर्शन मिलता रहा है। हमारे ग्राहकों और शेयरधारकों का हम पर अपना अटूट विश्वास व्यक्त किया है। मैं अपने प्रतिबद्ध स्टाफ सदस्यों के सतत् प्रयासों को भी रिकार्ड में दर्ज करती हूं जिनके अथक प्रयासों के बिना इन उपलब्धियों का हासिल करना मुमकिन नहीं था, मैं बैंक की ओर से और साथ ही अपनी ओर से भी सभी शेयरधारकों को धन्यवाद देती हूं और यह प्रत्याशा रखती हूं कि उनका सतत् संरक्षण, मार्गदर्शन और सहयोग हमें मिलता रहेगा।

सादर,

(श्रीमती वी. आर. अय्यर)

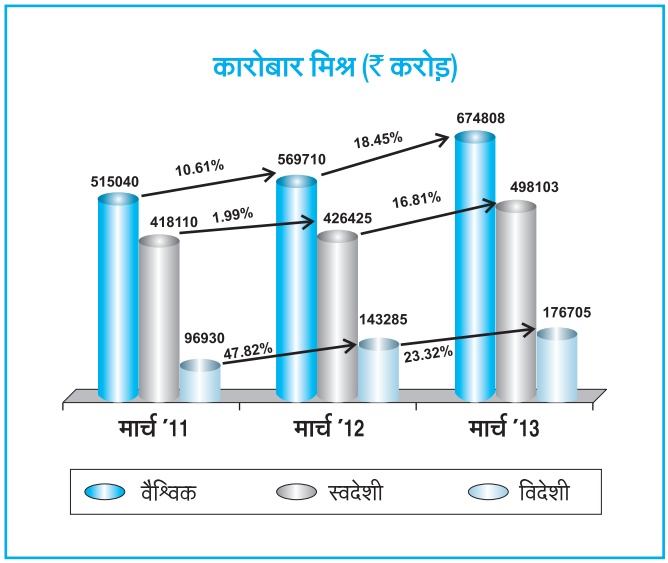
दिनांकः 15 मई, 2013

निदेशक रिपोर्ट

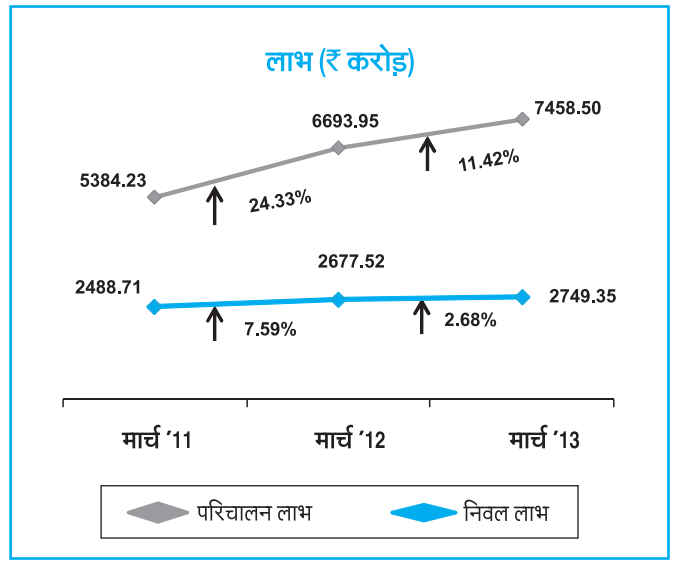
कार्यनिष्पादन की मुख्य बातें

वित्तीय मानदण्ड

- परिचालनगत लाभ ₹ 7459 करोड़।
- शुद्ध लाभ ₹ 2749 करोड़। पिछले वर्ष की तुलना में 2.67% की वृद्धि दर्ज हुई।
- 31.03.2013 को एनआईएम 2.46 है।
- पूँजी पर्याप्तता अनुपात भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा निर्धारित 10% की तुलना में 11.02% रहा।



- निवल मालियत ₹ 21621 करोड़। मार्च 2012 की तुलना में 15.26 % की वृद्धि हुई।
- प्रति शेयर बही मूल्य ₹ 362.37 (पिछले वर्ष ₹ 326.25)
- सकल अनर्जक आस्ति अनुपात 2.99%
- निवल अनर्जक आस्ति अनुपात 2.06%
- बैंक का कुल कारोबार (जमा + निवल अग्रिम) ₹ 674808 करोड़ पर जा पहुंचा। इस प्रकार इसमें ₹ 105098 करोड़ (18.45%) की वृद्धि दर्ज हुई। स्वदेशी कारोबार में 16.81% की वृद्धि हुई और यह ₹ 498103 करोड़ के स्तर पर जा पहुंचा।
- बैंक की कुल जमा राशियाँ ₹ 63624 करोड़ की वृद्धि के साथ ₹ 381840 करोड़ के स्तर पर पहुंच गई अर्थात् 19.99% की वृद्धि हुई। स्वदेशी जमाराशियों में 18.35% की वृद्धि हुई और यह ₹ 294067 करोड़ के स्तर पर जा पहुँचा। स्वदेशी जमाओं में कम लागत वाली जमाओं का हिस्सा 32.79% है।
- सकल ऋण में 16.49% वृद्धि दर्ज करते हुए ₹ 292968 करोड़ को छूआ और स्वदेशी ऋण 14.66% की वृद्धि दर्ज के साथ ₹ 204036 करोड़ हुआ।
- शुद्ध समायोजित बैंक ऋण का 37.83% भाग प्राथमिकता क्षेत्र के उधार का रहा और शुद्ध समायोजित बैंक ऋण में कृषि ऋण का हिस्सा 15.47% रहा।
- एमएसएमई क्षेत्र का ऋण ₹ 30232 करोड़ से बढ़कर ₹ 37230 करोड़ हो गया, जिसमें 23.14 % की वृद्धि हुई।
- योजनाबद्ध खुदरा ऋण में 19.25% की वृद्धि हुई, जो ₹ 14677 करोड़ से बढ़कर ₹ 17502 करोड़ हो गया।



- निर्यात ऋण ₹ 1208 करोड़ की वृद्धि के साथ ₹ 9531 पर पहुंची अर्थात पिछले वर्ष की तुलना में 14.51% वृद्धि दर्ज हुई।
- आस्तियों पर प्रतिलाभ 0.65% है
- इक्विटी पर प्रतिलाभ 13.62% है।

नये उत्पाद एवं सेवाएं

- विदेशी केन्द्रों पर एनआरई/एनआरओ खाते खोलने के लिए एनआरई ग्राहकों के लिए वेलकम किट की शुरूआत।
- वित्त मंत्रालय के दिशानिर्देश तथा सिफारिशों के अनुसार बैंक की कार्पोरेट वेबसाइट (अंग्रेजी) विकलांग व्यक्तियों के योग्य बनाई गई है।
- बैंक ने बचत बैंक पास बुक (होरिजेंटल फार्मेट) का नया फार्मेट प्रारंभ किया है, जो वर्तमान फार्मेट (वर्टिकल फार्मेट) जहाँ दो पृष्ठों पर विवरण मुद्रित होते हैं, उसकी तुलना में उसी पृष्ठ पर लेन-देन के विवरण मुद्रित होंगे।
- बीओआई नेट बैंकिंग यूज़र के लिए नई सुविधाओं की शुरूआत की गई है। नामांकन सुविधा के साथ मीयादी जमा - स्टार सुनिधि कर बचत योजना प्रारंभ की गई है। बीओआई पीपीएफ खाता धारक अब ऑन लाइन जमा कर सकते हैं।
- स्वयं परिचालित बचत बैंक पास बुक प्रिंटिंग क्योस्क की शुरूआत की गई है।
- भारतीय बैंकिंग संहिता और मानक बोर्ड (बीसीएसबीआई) की अपेक्षाओं के अनुसार बैंक पास बुक एवं खातों के विवरण पर हेल्प लाईन नंबर मुद्रित कर रहा है।
- डायमंड ग्राहकों को खाते का तिमाही समेकित विवरण पीडीएफ फार्मेट में ई मेल के माध्यम से भेजा जाता है।
- धोखाधड़ी निवारण के उपाय के रूप में एसएमएस अलर्ट - स्टार संदेश सर्जित किया जाता है और सभी ग्राहकों को जिन्होंने सभी डिलीवरी चैनल से (इंटरनेट बैंकिंग/एटीएम/पीओएस) सभी नामे लेन-देन, ₹ 25,000/- और उससे अधिक के सभी नामे समाशोधन लेन-देन, ग्राहक प्रवृत्त सभी नामे अंतरण एवं ₹ 10,000/- और उससे अधिक के नकद भुगतान, ₹ 10,000/- और उससे अधिक के सभी नामे ईसीएस लेन-देन, सभी नामे आरटीजीएस लेन-देन और चेक बुक जारी करने के निवेदन स्वीकार करने पर पावती के लिए जिन्होंने बैंक के पास मोबाइल नम्बर रजिस्टर्ड कराये हैं।

- इंटरनेट बैंकिंग पासवर्ड का उपयोग करने वालों के लिए हॉट लिस्टिंग/रिसेट/अनलॉक/नामे सह एटीएम कार्ड पिन बदलने की सुविधा।
- वार्षिक कर विवरण देखना (फार्म 26 ए एस)
- स्टार ई ट्रेड - ऑन लाईन शेयर ट्रेडिंग - गुप्ता इक्विटी के साथ एकीकरण।
- बैंक का नामे सह-एटीएम कार्ड रखने वाले ग्राहकों के लिए ऑन लाईन ई-भुगतान की सुविधा का विस्तार किया गया है इससे ग्राहक क्रेडिट कार्ड एवं इंटरनेट बैंकिंग खातों के अलावा अपने डेबिट कम एटीएम कार्ड का ई भुगतान के लिए उपयोग कर सकेंगे।
- डिलीवरी चैनल के नवीनतम विकल्प के रूप में मोबाइल बैंकिंग सुविधा आरंभ की गई है जो वस्तुतः ग्राहकों को किसी भी समय कहीं से भी मोबाइल फोन की सुविधा से बैंकिंग गतिविधियों को स्वीकार करती है। यह सुविधा सभी खुदरा इंटरनेट बैंकिंग ग्राहकों को दी गई है और इसमें जमा शेष पूछताछ, अंतिम पॉच लेन-देन, चेक की स्थिति, निधि अंतरण एवं मोबाइल भुगतान जैसी विशेषताएं शामिल हैं।
- बैंकों के बीच स्टार कनेक्ट इंटरनेट बैंकिंग सेवाओं के माध्यम से आरटीजीएस/एनईएफटी के उपयोग से ऑन-लाईन निधि अंतरण।
- आटो-पे के लिए बीओआई स्टार ई भुगतान या विभिन्न उपयोगी सेवाओं/बिलों का ऑन-लाइन भुगतान।
- प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष, केन्द्रीय उत्पाद एवं सेवा कर के लिए ई भुगतान।
- शेयरों में व्यापार के लिए स्टार ई-शेयर व्यापार।
- ई-भाड़ा भुगतान।
- विदेशी व्यापार लाइसेंस फीस महानिदेशक (डीजीएफटी) का ऑन लाइन भुगतान।
- रेल्वे एवं हवाई जहाज की टिकटों की ऑन लाईन बुकिंग।
- शिक्षा ऋण के लिए ऑन लाइन आवेदन।
- किसी भी डीपीओ में खाता रखने वाले खुदरा इंटरनेट बैंकिंग ग्राहक द्वारा आईपीओ निर्गमों के लिए अवरूद्ध आवेदन की बोली सह आवेदन पत्र (आसवा) ऑन लाइन करने के लिए प्रावधान।
- बीओआई-बीटीएम (मोबाइल के माध्यम से बैंकिंग की शुरूआत)
- माइक्रो एटीएम एवं बायोमैट्रिक पिन प्रमाणीकरण के साथ **धन आधार कार्ड** आरंभ।
- सभी नो फ्रिल खाता धारकों के लिए व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा कवर की शुरूआत।
- बैंक के वैकल्पिक डिलीवरी चैनल के रूप में बीओआई पेंशन आधार कार्ड, बीओआई प्रिविलेज इंटरनेशनल क्रेडिट एवं डेबिट कार्ड और रुपये कार्ड की शुरूआत की है।
- अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के लिए यूएस मुद्रा में विजा सम्बद्ध बीओआई इंटरनेशनल ट्रैवल कार्ड की शुरूआत की गई है।

कारोबार पहल

- वर्तमान में 33 अंचलों में 52 **ग्रामीण प्रसंस्करण केन्द्र** परिचालन में हैं।
- कृषि कारोबार के नये क्षेत्र में प्रवेश की खोज के लिए उत्पाद नवीनता कक्ष के गठन की योजना है।
- बैंक के सभी क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक कोर बैंकिंग सोल्यूशन में परिवर्तित कर दिए गए है और आरटीजीएस / एनईएफटी योग्य है।
- कारोबार संपर्की चैनल के लिए नकदी एवं तदरूपता बीमा की शुरूआत की गई है।
- ऋण की शीघ्र सुपुर्दगी के लिए 21 खुदरा कारोबार केंद्र परिचालन में हैं।
- बैंक ने स्टार विद्या शिक्षा ऋण, संपत्ति पर बीओआई स्टार ऋण, स्टार डायमंड होम लोन योजनाएं प्रारंभ की है।
- 50 अंचलों में कुल 100 एसएमई सिटी सेंटर कार्यरत है, ये केन्द्र टर्न अराउन्ड टाईम (टीएटी) घटाने में सहायक है।
- 51 अंचलो में सात मंडल प्रबंधकों द्वारा 42 मिड कार्पोरेट शाखाओं की निगरानी की जाती है।
- अच्छे ट्रैक रिकार्ड वाले एसएमई ग्राहकों को बढ़ावा देने के लिए बैंक ने डायमंड/प्लैटिनियम/ गोल्ड कस्टमर संकल्पना प्रारंभ की है।
- बैंक के मध्यम एवं लघु उद्यमों के लिए संमिश्र ऋण उत्पादन और सावधि ऋण उत्पाद प्रारंभ किए हैं। एसएमई उद्यमियों के लिए स्टार एसएमई कान्ट्रैक्टर क्रेडिट लाईन, स्टार एसएमई लिक्विड प्लस, स्टार एसएमई ऑटो एक्सप्रेस एण्ड एसएमई एज्यूकेशन प्लस ऋण योजनाएं प्रारंभ की है।
- 10 लार्ज कार्पोरेट शाखाओं की प्रधान कार्यालय के महाप्रबंधक द्वारा सीधे निगरानी की जाती है।
- अग्रणी प्रबंधन प्रणाली (सेल्स फोर्स आटोमेशन) पहल करने, ट्रैक रखने और निगरानी के लिए स्थापित की गई है और संतोषप्रद ढंग से कार्य कर रही है।
- बैंक द्वारा विभेदक ब्याज दर (डीआरआई) योजना के अंतर्गत उत्पादक प्रयासों के लिए कम आय वाले समूहों के लिए 4% की रियायती दर पर वित्तीय सहायता प्रदान करने की योजना कार्यान्वित की जा रही है। वर्ष के दौरान 18806 हिताधिकारियों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है।
- स्वर्ण जयंती ग्रामीण आवास वित्त योजना (जीजेआरएचएफएस) के कार्यान्वयन के लिए बैंक सक्रिय रूप से जुड़ा है और राष्ट्रीय आवास बैंक द्वारा आबंटित लक्ष्य को प्राप्त कर लिया है। जीजेआरएचएफएस के अंतर्गत बैंक ने वर्ष के दौरान 15302 मामले स्वीकृत किए है।
- बैंक वित्तीय समावेशन कार्यक्रम को, एक अभियान के रूप में बैंकिंग उत्पाद और सेवाएं उन सभी को प्रदान करने के लिए जो वर्तमान में इनसे वंचित हैं, कार्यान्वित करने के लिए सक्रिय है। अब तक वित्तीय समावेशन की प्राप्ति के लिए पहले कदम के रूप में नो फ्रिल खाते खोलना था और इस प्रकार बैंक ने वित्तीय वर्ष 2012-13 के दौरान 79.83 लाख नो फ्रिल खाते खोले।
- बैंक हैंड हेल्ड डिवाइसेज और स्मार्ट कार्ड का उपयोग करके शुरू से अंत तक के आधार पर आईटी सोल्यूशन भी कार्यान्वित कर रहा है। बैंक ने 11.87 लाख स्मार्ट कार्ड जारी किए है/के सदस्य बनाये हैं।
- **परियोजना वित्त और सिंडिकेशन ग्रुप :** यह टेकनीकल मूल्यांकन, हामीदारी और ऋणत्व सिंडिकेशन का असाइनमेंट लेता है। वित्तीय वर्ष 2012-13 की वित्तीय समाप्ति पर परियोजना लागत ₹ 14018 करोड़ और सिंडिकेट ऋण ₹ 6905 करोड़ था।
- नवीनतम वैकल्पिक चैनल के रूप में मोबाइल बैंकिंग सुविधा की शुरूआत की गई है, जो ग्राहकों को वस्तुतः किसी भी समय और कहीं से भी मोबाइल फोन से बैंकिंग कार्य-कलाप कर सकते है। यह सुविधा सभी खुदरा इंटरनेट बैंकिंग ग्राहकों को दी गई है और इसमें जमाशेष की पूछताछ, अंतिम पाँच संव्यवहार, चेक की स्थिति, निधि अंतरण एवं मोबाइल भुगतान की विशेषताएं शामिल है।
- एनाआरआई ग्राहकों से संबंधित कुछ गतिविधियों को केन्द्रीकृत करने के लिए ग्लोबल रेमिटेंस सेंटर स्थापित की गई जिससे टर्न अराउंड टाइम तथा उत्पाद डिलिवरी त्वरित हो सके तथा सक्रिय विपणन रणनीतियां और शिकायत निवारण तंत्र सक्षम हो सके ।

पुरस्कार एवं प्रशंसाएं

- भारत सरकार के यूएआईडी कार्यक्रम के लिए बैंक को राजस्थान के समीप डोडू गांव में प्रधान मंत्री के कर कमलों द्वारा आधार में श्रेष्ठता के लिए सर्वोत्तम बैंक का पुरस्कार दिया गया।
- "श्रेष्ठ शिक्षा ऋण" प्रदाता के लिए बैंक को "आउटलुकमनी अवार्ड 2012" दिया गया।
- बैंक को इकानॉमिक टाइम्स ने सर्वाधिक विश्वसनीय ब्रान्ड का द्वितीय पुरस्कार दिया।
- पश्चिम अंचल में पीएमईजीपी योजना के कार्यान्वयन के लिए बैंक को नेशनल अवार्ड 2011 प्रदान किया गया।
- माइक्रो इंटरप्राइज को उधार देने के कार्य निष्पादन के आधार पर एमएसएमई मिनिस्ट्री दिल्ली ने बैंक को दूसरा पुरस्कार प्रदान किया।
- बैंक को श्रेष्ठ कारोबार समर्थनीय वर्ग में आईबीए से इंटरनेशनल बैंकिंग टेक्नॉलाजी अवार्ड 2010 में विनर्स अवार्ड प्राप्त हुआ।

वित्तीय समीक्षा

वित्तीय कार्य-निष्पादन

बैंक ने ₹ 7458 करोड़ का परिचालन लाभ दर्ज किया (पिछले वर्ष ₹ 6694 करोड़).

निवल लाभ ₹ 2749 करोड़ रहा। (पिछले वर्ष ₹ 2678 करोड़)

मिश्र कारोबार में 18.45% (₹ 569710 करोड़ से ₹ 674807 करोड़) के सुदृढ़ कारोबार वृद्धि के कारण निवल ब्याज आय में 8.55% की वृद्धि हुई। गैर-ब्याज आय में 13.37% की वृद्धि हुई और पिछले वर्ष के 67.23% की तुलना में परिचालनगत 70.64% व्यय कवर हुआ।

वर्ष 2012-13 के दौरान बैंक के वित्तीय कार्य-निष्पादन का सारांश निम्नलिखित है :

(राशि ₹ करोड़ में)

विवरण	2011-12	2012-13	वृद्धि (%)
निवल ब्याज आय	8,313.43	9024.00	8.55%
गैर ब्याज आय	3,321.77	3766.04	13.37%
परिचालन व्यय	4,940.66	5331.55	7.92%
परिचालन लाभ	6,693.95	7458.50	11.41%
प्रावधान/आकस्मिकताएं	4,016.43	4709.15	17.24%
निवल लाभ	2,677.52	2749.35	2.67%
प्रति शेयर अर्जन (₹)	48.98	47.79	-2.43%
प्रति शेयर बही मूल्य (₹)	326.52	362.37	10.98%
औसत निवल मालियत पर प्रतिलाभ (%)	15.63	13.62	
औसत आस्तियों पर प्रतिलाभ (%)	0.72	0.65	

कुछ वित्तीय अनुपात नीचे प्रस्तुत किए गए है : (प्रतिशत) (%)

मानदण्ड	2011-12	2012-13
अग्रिम पर आय	9.38	8.87
निवेश पर आय	7.69	7.81
निधियों पर आय	7.88	7.67
जमा राशियों की लागत	6.01	5.94
निधियों की लागत	5.58	5.50
निवल ब्याज मार्जिन (तिमाही)	2.86	2.46
निवल ब्याज मार्जिन (वार्षिक)	2.52	2.38
परिचालन व्ययों के प्रति गैर ब्याज आय	67.22	70.64
औसत कार्यशील निधि के प्रति अन्य आय	0.92	0.90
औसत कार्यशील निधि के प्रति परिचालन व्यय	1.37	1.28
औसत कार्यशील निधि के प्रति स्टाफ व्यय	0.84	0.75
औसत कार्यशील निधि के प्रति अन्य परिचालन व्यय	0.52	0.53
आस्ति उपयोग अनुपात	1.85	1.79
कुल आय के प्रति गैर ब्याज आय	10.44	10.56
निवल आय के प्रति गैर ब्याज आय	28.55	29.45
कुल आय के प्रति लागत	42.47	41.69

खण्डवार कार्य-निष्पादन

वर्ष 2012-13 के दौरान बैंक ने ₹ 7458 करोड़ का परिचालन लाभ अर्जित किया है। इसमें कोषागार का योगदान ₹ 1222 करोड़ का रहा और अन्य बैंकिंग परिचालन से ₹ 6236 करोड़ का लाभ अर्जित किया। वर्ष 2012-13 में अविनोज्य व्यय, अविनोज्य आय को कम कर ₹ 223 करोड़ रहा।

लाभांश

वर्ष के लिए ₹ 10 प्रति शेयर (100%) की दर से लाभांश घोषित किया गया (विगत वर्ष ₹ 7 प्रति शेयर)। कुल लाभांश भुगतान की राशि ₹ 697.09 करोड़ है (लाभांश वितरण कर सहित)।

पूँजी

2012-13 में समाप्त वित्तीय वर्ष के दौरान बैंक की निवल मालियत ₹ 18759 करोड़ से बढ़कर ₹ 21621 करोड़ हो गई. वर्ष के दौरान बैंक ने ₹ 365.70 मूल्य के प्रत्येक ₹ 10 के कुल ₹ 809 करोड़ के 22121957 इक्विटि शेयर भारत सरकार को जारी किए।

पूँजी पर्याप्तता

बासेल II फ्रेमवर्क के अनुसार वर्ष के दौरान पूँजी पर्याप्तता अनुपात 11.02% रहा जो कि नियामक आवश्यकता 10% से उच्चतर था।

पूँजी पर्याप्तता के विवरण(बासेल II) निम्नानुसार दर्शाए गए हैं :

(₹ करोड़ में)

विवरण (बासल II के अंतर्गत)	31.03.2012		31.03.2013	
	राशि	सीआरएआर (%)	राशि	सीआरएआर (%)
टियर I पूँजी	20,230	8.59	23,019	8.20
टियर II पूँजी	7,916	3.36	7,916	2.82
कुल पूँजी	28,147	11.95	30,935	11.02
जोखिम भारित आस्तियॉं	2,35,466	------	280,637	---------